संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. द्वितीय वर्ष	
सत्र	2021–2022	
विषय	हिंदी साहित्य	
प्रश्न–पत्र	द्वितीय	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	हिंदी भाषा–साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

अधिगम (Course Out Come)

1. हिंदी भाषा के उद्‌भव और विकास का गहन बोध
2. हिंदी शब्दावली के परिचय के माध्यम से अभिव्यक्ति क्षमता का विकास
3. हिंदी व्याकरण का व्यावहारिक ज्ञान
4. हिंदी साहित्य के इतिहास का परिचय
5. काव्य संरचना पध्दति का ज्ञान

पाठ्‌यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	हिन्दी भाषा की उत्पत्ति एवं इतिहास, अपभ्रंश, अवहट्‌ठ एवं आरंभिक हिंदी के व्याकरणिक और व्यावहारिक रुप। हिंदी की प्रमुख बोलियाँ एवं उनका अन्तः संबंध, विभिन्न भाषाओं का विकास। सिध्द एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिंदी में खडी बोली का प्रारंभिक स्वरुप। उन्नीसवीं सदी में खडी बोली का विकास। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रुप में हिंदी का विकास।
द्वितीय इकाई	भारत संघ की राष्ट्रीय भाषा के रुप में हिंदी का विकास, हिंदी भाषा के विविध रुप, राजभाषा एवं संपर्क भाषा, हिंदी भाषा का वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास, हिंदी भाषा का मानक रुप। मानक हिंदी की व्याकरणिक संरचना, नागरी लिपि का मानकीकरण एवं उसके सुधार के प्रयत्न।
तृतीय इकाई	हिंदी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्व, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं काल विभाजन। आदिकाल, पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल), उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
चतुर्थ इकाई	आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास– उपन्यास, कहानी, नाटक, रंगमंच आलोचना एवं अन्य गद्य विधाएँ, आधुनिक हिंदी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं महत्वपूर्ण कवि– भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता।
पंचम इकाई	काव्यांग विवेचन – रस और उसके भेद। प्रमुख छंद– दोहा, सोरठा, चौपाई, रोला और हरिगीतिका। प्रमुख अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रुपक, उत्प्रेक्षा, भ्रान्तिमान, और संदेह।

पाठ्य–पुस्तक – हिंदी भाषा–साहित्य का इतिहास और काव्यांग विवेचन

प्रकाशक – मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अंक विभाजनः–

नियमित–40

खण्ड–अ– 1 वस्तुनिष्ठ (एक–एक अंक के कुल 5 प्रश्न) 1×5= 05 अंक

खण्ड–ब– लघुउत्तरीय प्रश्न (तीन–तीन अंकों के कुल 3 प्रश्न) 3×3=9 अंक

खण्ड–स– अ– दीर्घ उत्तरीय (आठ–आठ अंकों के कुल 2 समीक्षात्मक प्रश्न) 8×2=16 अंक

ब– टिप्पणी (पाँच–पाँच अंकों की कुल 2 टिप्पणियाँ) 5×2=10 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – अंक विभाजन (10 अंक)

तिमाही 5 अंक, छैमाही 5 अंक